Bihar Board Class 7 Social Science Important Questions History Chapter 3 तुर्क-अफगान शासन

अतिलघूत्तरात्मक प्रश्न-

प्रश्न 1.
12वीं शताब्दी के मध्य में तोमर राजपूतों को किसने हराया?
उत्तर:
तोमर राजपूतों को अजमेर के चौहानों ने हराया था।

प्रश्न 2.
तवारीख के लेखक कौन थे?
उत्तर:
तवारीख के लेखक सचिव, प्रशासक, कवि और दरबारियों जैसे सुशिक्षित व्यक्ति होते थे।

प्रश्न 3.
रजिया सुल्तान कौन थी?
उत्तर:
रजिया सुल्तान इल्तुतमिश की बेटी तथा दिल्ली की पहली महिला शासक थी जो 1236 ई. से 1240 ई. तक दिल्ली के सिंहासन पर बैठी।

प्रश्न 4.
गैरिसन शहर से क्या अभिप्राय है?
उत्तर:
गैरिसन शहर से अभिप्राय उस किलेबंद शहर से है जहाँ सैनिक रहते हैं।

प्रश्न 5.
रानी दिदा कौन थी?
उत्तर:
रानी दिद्दा सन् 980 से 1003 तक कश्मीर की महिला शासक थी।

प्रश्न 6.
गुलामों को फारसी में क्या कहा जाता था?
उत्तर:
गुलामों को फारसी में बंदगाँ कहा जाता था।

प्रश्न 7.
चौहानों के शासनकाल में दिल्ली में ढाले जाने वाले सिक्कों को क्या कहते थे?
उत्तर:
देहलीवाल।

प्रश्न 8.
दिल्ली सल्तनत की स्थापना कब हुई?
उत्तर:
दिल्ली सल्तनत की स्थापना 13वीं सदी के प्रारंभ में हुई।

प्रश्न 9.
सूरी वंश ने दिल्ली पर कितने समय तक शासन किया?
उत्तर:
सूरी वंश ने दिल्ली पर 15 वर्षों (1540 ई. से 1555 ई.) तक शासन किया।

प्रश्न 10.
मस्जिद किस भाषा का शब्द है?
उत्तर:
मस्जिद अरबी भाषा का शब्द है। इसका शाब्दिक अर्थ है-ऐसा स्थान जहाँ मुसलमान अल्लाह की आराधना में सजदा करते हैं।

प्रश्न 11.
नमाज के दौरान मुसलमान किस तरफ मुँह करके खड़े होते हैं?
उत्तर:
नमाज के दौरान मुसलमान मक्का की तरफ मुँह करके खड़े होते हैं।

प्रश्न 12.
भारत में मक्का किस ओर पड़ता है?
उत्तर:
भारत में मक्का पश्चिम की ओर पड़ता है।

प्रश्न 13.
मक्का की ओर की दिशा को क्या कहा जाता है?
उत्तर:
मक्का की ओर की दिशा को 'किबला' कहा जाता है।

प्रश्न 14.
दिल्ली सल्तनत के किन शासनकालों में दिल्ली पर मंगोलों ने धावे किए?
उत्तर:
अलाउद्दीन खिलजी और मुहम्मद तुगलक के शासन कालों में मंगोलों ने दिल्ली पर धावे किए।

evidyarthi

प्रश्न 15.
दिल्ली के किस सुलतान ने मंगोल इलाके को जीतने की योजना बनाई थी?
उत्तर:
मुहम्मद तुगलक ने।

लघूत्तरात्मक प्रश्न-

प्रश्न 1.
दिल्ली सल्तनत के प्रमुख राजवंशों के नाम तथा शासनकाल बताइए।
उत्तर:

दिल्ली सल्तनत के प्रमुख राजवंश	शासन काल
1. दास (गुलाम) वंश प्रा. तुर्की शासक	1206 ई.-1290 ई.
2. खिलजी वंश	1290 ई.-1320 ई.
3. तुगलक वंश	1320 ई.-1414 ई.
4. सैयद वंश	1414 ई.-1451 ई.
5. लोदी वंश	1451 ई.-1526 ई.

प्रश्न 2.
दिल्ली सल्तनत के सूचना स्रोतों की एक सूची बनाइए।
उत्तर:
दिल्ली सल्तनत के सूचना स्रोत-

- अभिलेख, सिक्कों और स्थापत्य (भवन निर्माण कला) के माध्यम से काफी सूचना मिलती है।
- महत्त्वपूर्ण सूचना स्रोत हैं-(1) इतिहास, तारीख (एकवचन.), तवारीख (बहुवचन) हैं जो सुल्तानों के शासनकाल में प्रशासन की भाषा फारसी में लिखे गये थे।

प्रश्न 3.
तवारीख के लेखकों और उनके लेखों पर टिप्पणी लिखिए।
उत्तर:

- तवारीख के लेखक सचिव, प्रशासक, कवि और दरबारियों जैसे सुशिक्षित व्यक्ति होते थे जो घटनाओं का वर्णन भी करते थे। वे न्यायसंगत शासन के महत्त्व पर बल देते थे।
- वे नगरों में (विशेषकर) दिल्ली में रहते थे।

evidyarthi
https://www.evidyarthi.in/

- वे अक्सर अपने इतिहास सुल्तानों के लिए, उनसे ढेर सारे इनाम-इकराम पाने की आशा में लिखा करते थे।
- ये लेखक प्रायः शासकों को जन्मसिद्ध अधिकार और लिंगभेद पर आधारित 'आदर्श समाज व्यवस्था बनाए रखने की सलाह देते थे।

प्रश्न 4.
जन्मसिद्ध अधिकार से क्या आशय है?
उत्तर:
जन्मसिद्ध अधिकार-जन्मसिद्ध अधिकार से आशय है-जन्म के आधार पर विशेषाधिकारों का दावा। उदाहरण के लिए, लोग मानते थे कि कुलीन व्यक्तियों को, कुछ खास परिवारों में जन्म लेने के कारण शासन करने का अधिकार विरासत में मिलता है।

प्रश्न 5.
लिंगभेद से क्या आशय है?
उत्तर:
लिंगभेद-लिंगभेद से आशय है--स्त्रियों और पुरुषों के बीच सामाजिक तथा शरीर-रचना सम्बन्धी अन्तर। प्रायः यह तर्क दिया जाता है कि ऐसे अन्तर के कारण पुरुष स्त्रियों की तुलना में श्रेष्ठ होते हैं।

प्रश्न 6.
रजिया सुल्तान पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए।
उत्तर:
रजिया सुल्तान दिल्ली के सुल्तान इल्तुतमिश की बेटी थी। वह अपने सभी भाइयों से अधिक योग्य और सक्षम थी। इस कारण वह सन् 1236 में दिल्ली के सिंहासन पर बैठी। लेकिन 'जन्मसिद्ध अधिकार' और लिंगभेद पर आधारित समाज व्यवस्था एक रानी को शासक के रूप में मान्यता नहीं दे पा रही थी। दरबारीजन भी उसके स्वतंत्र रूप से शासन करने की कोशिशों से प्रसन्न नहीं थे। परिणामस्वरूप सन् 1240 में उसे सिंहासन से हटा दिया गया।

प्रश्न 7.
सल्तनत काल में सल्तनत की भीतरी सीमाओं में चले अभियानों के लक्ष्य तथा उनकी कार्यवाहियों का उल्लेख कीजिए।
उत्तर:
भीतरी सीमाओं के अभियानों का लक्ष्य-सल्तनत की भीतरी सीमाओं में जो अभियान चले उनका लक्ष्य थागैरिसन शहरों की पृष्ठभूमि में स्थित भीतरी क्षेत्रों की स्थिति को मजबूत करना।' अभियानों की कार्यवाहियाँ-

- इन अभियानों के दौरान गंगा-यमुना के दोआब से जंगलों को साफ कर दिया गया।
- शिकारी-संग्राहकों तथा चरवाहों को उनके पर्यावास से खदेड़ दिया गया। वह जमीन किसानों को दे दी गई और कृषि कार्य को प्रोत्साहन दिया गया।
- व्यापार-मार्गों की सुरक्षा और क्षेत्रीय व्यापार की उन्नति की खातिर नए किले, गैरिसन शहर. और शहर बनाए व बसाये गये।

https://www.evidyarthi.in/

प्रश्न 8.
प्रारंभिक वर्षों में दिल्ली सल्तनत को किन चुनौतियों का सामना करना पड़ा?
उत्तर:

- दिल्ली से सुदूर बंगाल और सिंध के गैरिसन शहरों के नियंत्रण में दिल्ली सल्तनत को बगावत, युद्ध, यहाँ तक कि खराब मौसम की चुनौतियों का सामना करना पड़ता था।
- शासन को अफगानिस्तान से आने वाले हमलावरों और उन सूबेदारों से भी सल्तनत को बराबर चुनौती मिलती रहती थी, जो जरा सी भी कमजोरी का आभास मिलते ही विद्रोह का झंडा खड़ा कर देते थे।

प्रश्न 9.
'सल्तनत काल में गुलामों का विशेष महत्त्व था।' स्पष्ट कीजिए।
उत्तर:

- दिल्ली के आरंभिक सुल्तान, विशेषकर इल्तुतमिश, सामन्तों और जमींदारों के स्थान पर, अपने विशेष गुलामों के सूबेदार नियुक्त करना अधिक पसंद करते थे।
- गुलाम चूंकि पूरी तरह से अपने मालिक पर निर्भर होते थे, इसलिए सुल्तान भी विश्वास करके उन पर निर्भर हो सकते थे।
- खलजी और तुगलक शासक भी बंदगाँ (गुलामों) का इस्तेमाल करते रहे।
- गुलाम अपने मालिकों और संरक्षकों के प्रति वफादार रहते थे।

evidyarthi
https://www.evidyarthi.in/